A-0234

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–608

M.A. SANSKRIT (MASL)

(सिद्धान्त कौमुदी कारक एवं समास भाग–02)

4th Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अपिः पदार्थ सम्भावनाऽन्ववसर्गगर्हा-समुच्चयेषु' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित कारिका की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

   सत्या विशुद्धास्तत्रोक्ता विद्यैवैरूपदागमा।

   युक्ता प्रणवरूपेण सर्ववादाविरोधिनी॥

   विधातुस्तस्य लोकानामङ्गोपाङ्गनिबन्धनाः।

   विद्याभेदाः प्रतायन्ते ज्ञानसंस्कारहेतवः॥

3. 'वाक्यपदीयम' के आधार पर विवर्तवाद की विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित सूत्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए–

   'तृतीया सप्तम्योर्बहुलम्' तथा 'प्रथमानिर्दिष्ट समास उपसर्जनम्'।

5. अधोलिखित की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए–

   (क) आपन्नजीवकिः

   (ख) महाराजः

   (ग) अर्ध पिप्पली

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'वाक्यपदीयम्' के आधार पर स्फोटगद के सिद्धान्त के समझाइए।
2. 'ब्रह्मकाण्ड' के अनुसार शब्द के भेदों का निरूपण कीजिए।
3. वाक्यपदीयम् के आधार पर वेद के प्रधान अङ्ग व्याकरण का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।
4. 'कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे' सूत्र को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।
5. 'यस्य च भावेन भावलक्षणम्' सूत्र को समझाइए।
6. 'प्राप्तोदको ग्रामः' की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए।
7. 'व्याघ्रपात्' की सिद्धि कीजिए।
8. 'वाक्यपदीयम्' के अनुसार व्याकरण' प्रयोजन का निरूपण कीजिए।

****